



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 163]

तई विल्ली, बृहस्पतिकार, अप्रैल 26, 1973/वैशाख 6, 1895

No. 163]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 1973/VAISAKHA 6, 1895

इस भाग में विशेष पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्त संकलन के कप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 26th April 1973

S.O. 250(E)/18FB/IDRA/73.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 137(E)/18A/IDRA/73, dated the 12th March 1973, the management of the industrial undertaking known as M/s Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda (hereinafter in this Order referred to as the industrial undertaking) has been taken over under clause (b) of sub-section (i) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years commencing from the 12th March 1973;

And whereas the Central Government is satisfied that it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in the scheduled industry, namely Tractors;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (i) of section 18-FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this order (other than those relating to liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from the date of issue of this order and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F.4/1/73-CUC.]

D K SAXENA, Jt. Secy.

श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1973

का० आ० 250 (अ) 18बख/आई०डी०आर०ए०/73.—यतः भारत सरकार के श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश स० का० आ० 137 (अ) /18क/आई०डी०आर०ए०/73, तारीख 12 मार्च, 1973 द्वारा मैमर्स हिन्दुस्तान ट्रैक्टर्स लिमिटेड, विश्वाभित्र, बहौदा नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् श्रीद्योगिक उपक्रम, कहा गया है) प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 12 मार्च, 1973 में प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया है :

अंगैर यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही गया है कि अनुसूचित उद्योग, अर्थात् ट्रैक्टर्स, में उत्पादन के परिणाम में कभी को रोकने की द्रष्टि से जनसाधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 18-चब की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी भभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, घ्यवस्थापत्रों, पचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य निखतों का, (उनसे भिन्न, जो बैकों श्रीर वित्तीय मंस्थाओं के दायित्वों से मंत्रित है) प्रवर्तन, जिनका उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का व्यापित्व रखने

वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे श्रीद्योगिक उपकरण या कम्पनी को लागू हों, इस आदेश के जारी होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, वाध्यताएं और दायित्य उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ।

[स० फा० 4/1/73—स० म० स०]

ई० के० सकरेना, सम्पूर्ण सचिव ।

